बाईबल फॉर चिल्ड्रन
प्रस्तुत करता है

यीशु की पैदाइश

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याता: M. Maillot
Alastair Paterson
अनुकूलक: E. Frischbutter; Sarah S.
अनुवादक: christian-translation.com

निर्माता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2020 Bible for Children, Inc.
लाइसेंस: आपको इस कहानी की नक़ल बनाने या छापने का अधिकार है, जब तक कि आप इसे बेचते नहीं हैं।

बहुत समय पहले, खुदा ने जिबराईल फ़रिश्ते को मरियम नाम की एक प्यारी युवा यहूदी युवती के पास भेजा। उसने उससे कहा, "तेरे एक बेटा होगा और उसका नाम यीशु रखना। वह परमप्रधान का बेटा कहलाएगा। वह हमेशा के लिए राज्य करेगा।"

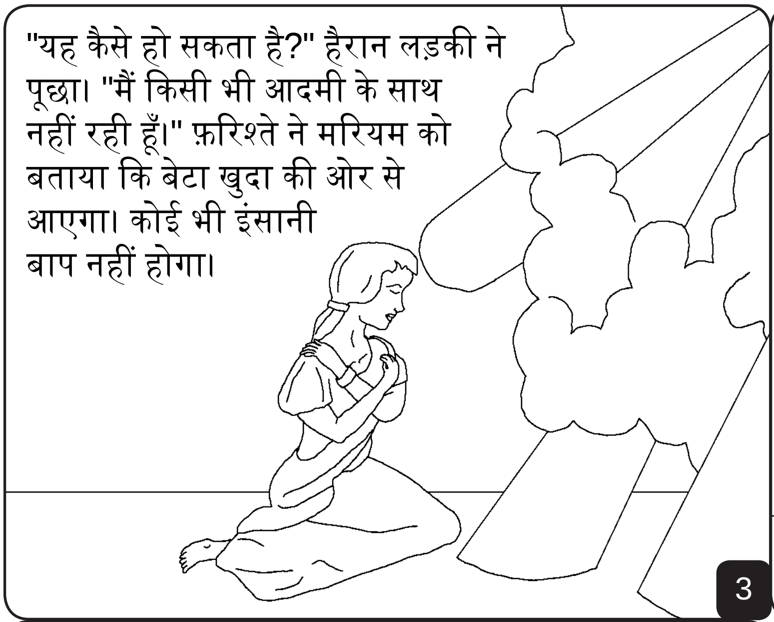
"यह कैसे हो सकता है?" हैरान लड़की ने पूछा। "मैं किसी भी आदमी के साथ नहीं रही हूँ।" फ़रिश्ते ने मरियम को बताया कि बेटा खुदा की ओर से आएगा। कोई भी इंसानी बाप नहीं होगा।
3

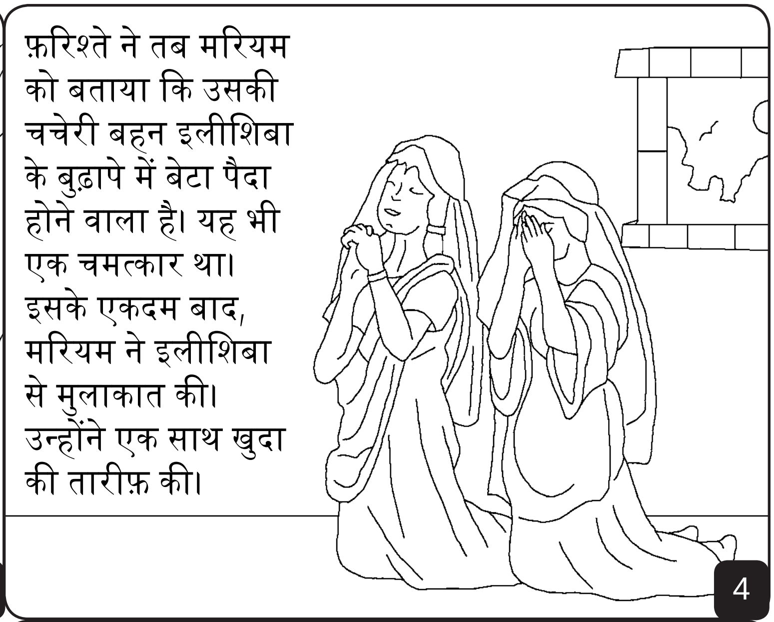
फ़रिश्ते ने तब मरियम को बताया कि उसकी चचेरी बहन इलीशिबा के बुढ़ापे में बेटा पैदा होने वाला है। यह भी एक चमत्कार था। इसके एकदम बाद, मरियम ने इलीशिबा से मुलाकात की। उन्होंने एक साथ खुदा की तारीफ़ की।
4

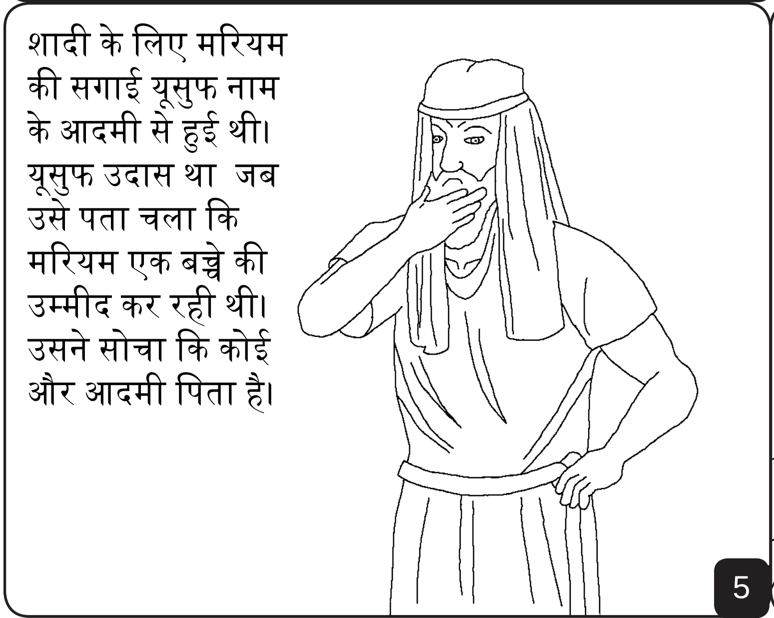
शादी के लिए मरियम की सगाई यूसुफ नाम के आदमी से हुई थी। यूसुफ उदास था जब उसे पता चला कि मरियम एक बच्चे की उम्मीद कर रही थी। उसने सोचा कि कोई और आदमी पिता है।
5

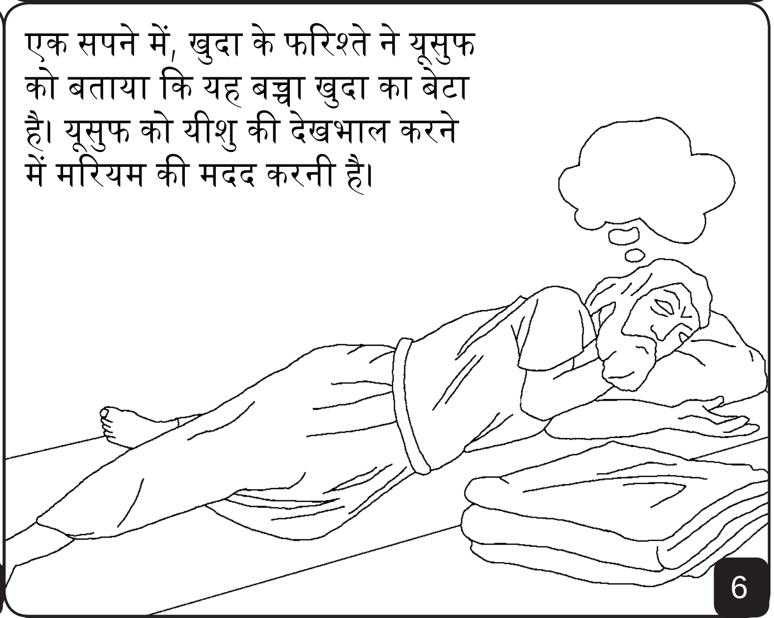
एक सपने में, खुदा के फरिश्ते ने यूसुफ को बताया कि यह बच्चा खुदा का बेटा है। यूसुफ को यीशु की देखभाल करने में मरियम की मदद करनी है।
6

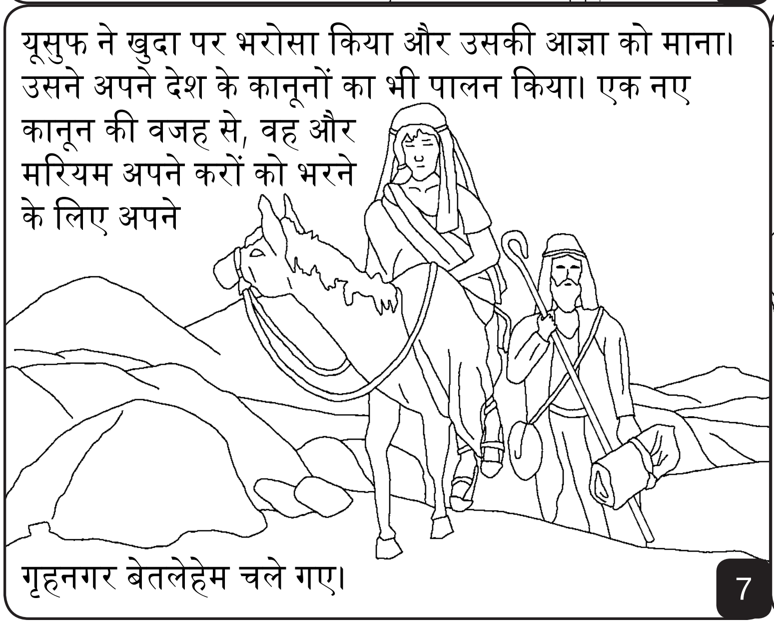
यूसुफ ने खुदा पर भरोसा किया और उसकी आज्ञा को माना। उसने अपने देश के कानूनों का भी पालन किया। एक नए कानून की वजह से, वह और मरियम अपने करों को भरने के लिए अपने
गृहनगर बेतलेहेम चले गए।
7

मरियम बच्चा पैदा करने के लिए तैयार थी। लेकिन यूसुफ को कहीं भी एक कमरा नहीं मिला। सभी सराय भरी हुई थीं।
8

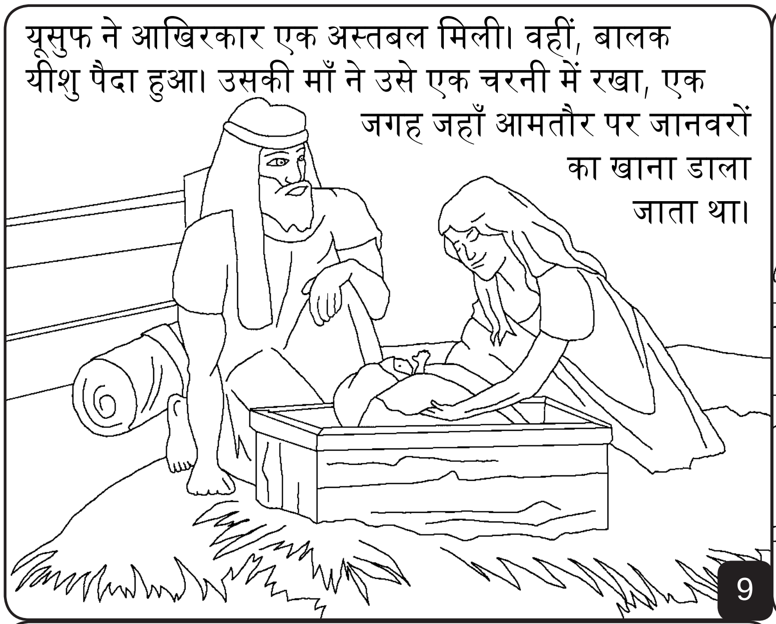
यूसुफ ने आखिरकार एक अस्तबल मिली। वहीं, बालक यीशु पैदा हुआ। उसकी माँ ने उसे एक चरनी में रखा, एक जगह जहाँ आमतौर पर जानवरों का खाना डाला जाता था।
9

पास में, चरवाहें अपने सोते हुए झुंडों की रखवाली कर रहे थे। खुदा का दूत प्रकट हुआ और उन्हें अद्‌भुत समाचार सुनाया।
10

"आज के दिन तुम्हारे लिए दाऊद के नगर में एक उद्धारकर्ता पैदा हुआ है जो खुदावंद मसीह है। तुम बालक को चरनी में पढ़ा पाओगे ।"
11

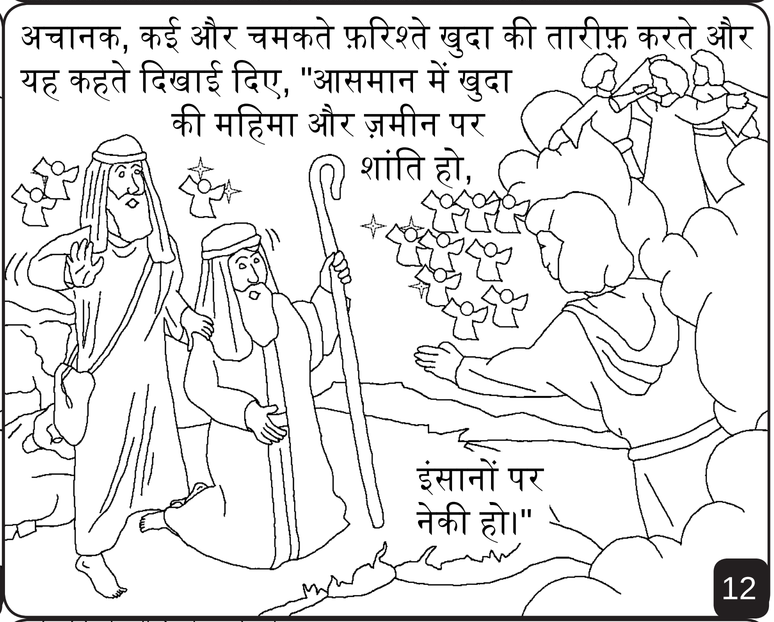
अचानक, कई और चमकते फ़रिश्ते खुदा की तारीफ़ करते और यह कहते दिखाई दिए, "आसमान में खुदा की महिमा और ज़मीन पर शांति हो,
इंसानों पर नेकी हो।"
12

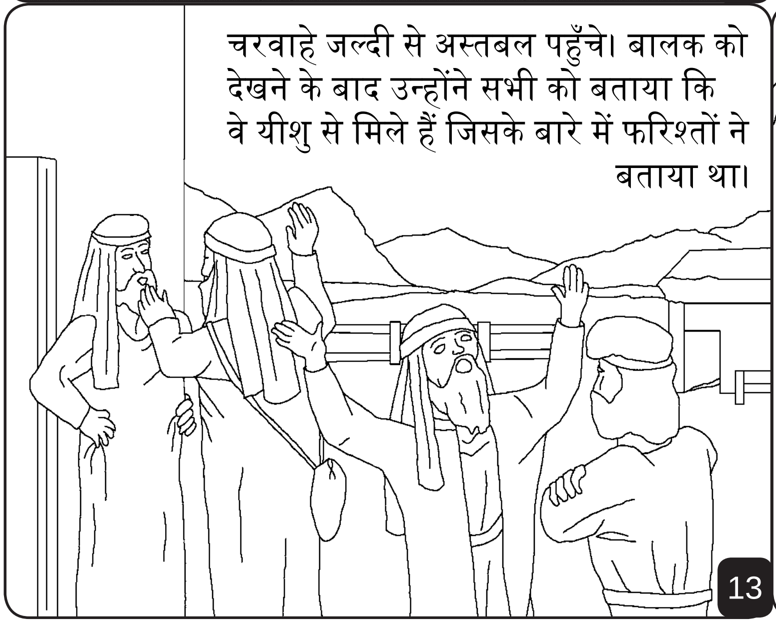
चरवाहे जल्दी से अस्तबल पहुँचे। बालक को देखने के बाद उन्होंने सभी को बताया कि वे यीशु से मिले हैं जिसके बारे में फरिश्तों ने बताया था।
13

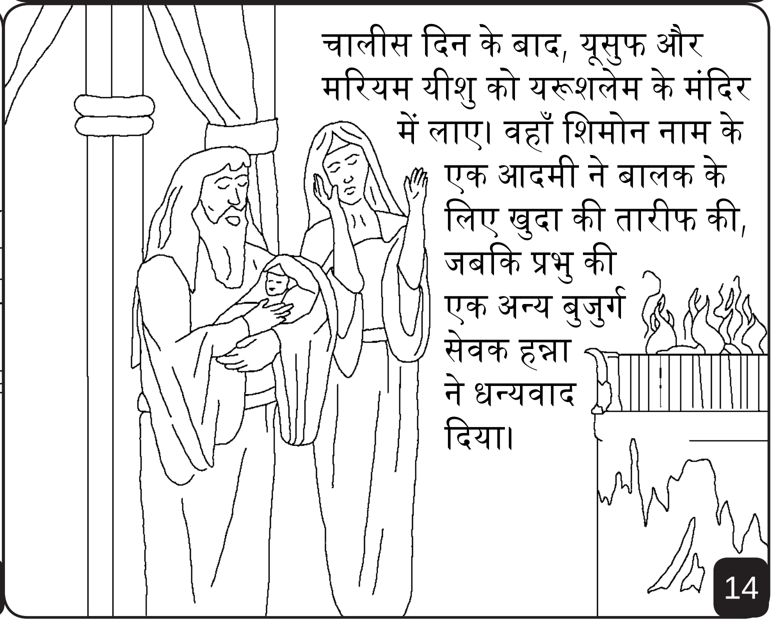
चालीस दिन के बाद, यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मंदिर में लाए। वहाँ शिमोन नाम के एक आदमी ने बालक के लिए खुदा की तारीफ की, जबकि प्रभु की एक अन्य बुज़ुर्ग सेवक हन्ना ने धन्यवाद दिया।
14

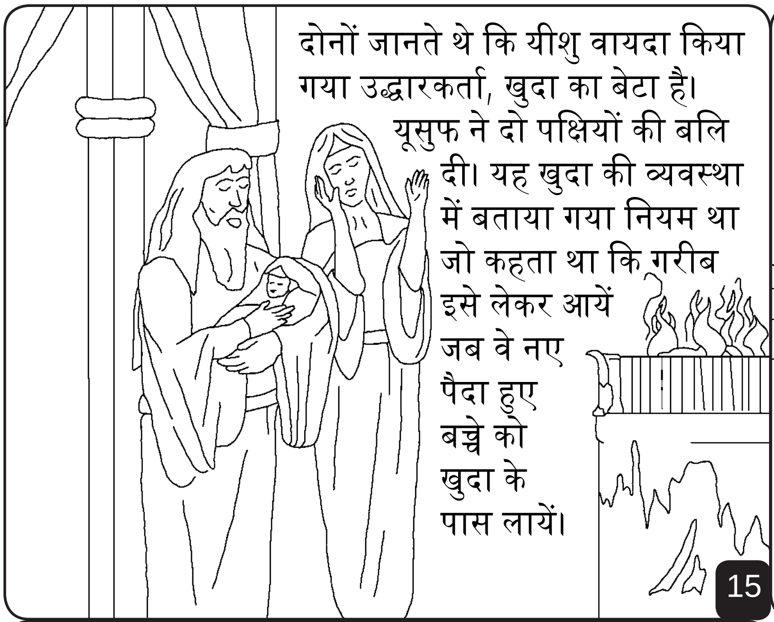
दोनों जानते थे कि यीशु वायदा किया गया उद्धारकर्ता, खुदा का बेटा है। यूसुफ ने दो पक्षियों की बलि दी। यह खुदा की व्यवस्था में बताया गया नियम था जो कहता था कि गरीब इसे लेकर आयें जब वे नए पैदा हुए बच्चे को खुदा के पास लायें।
15

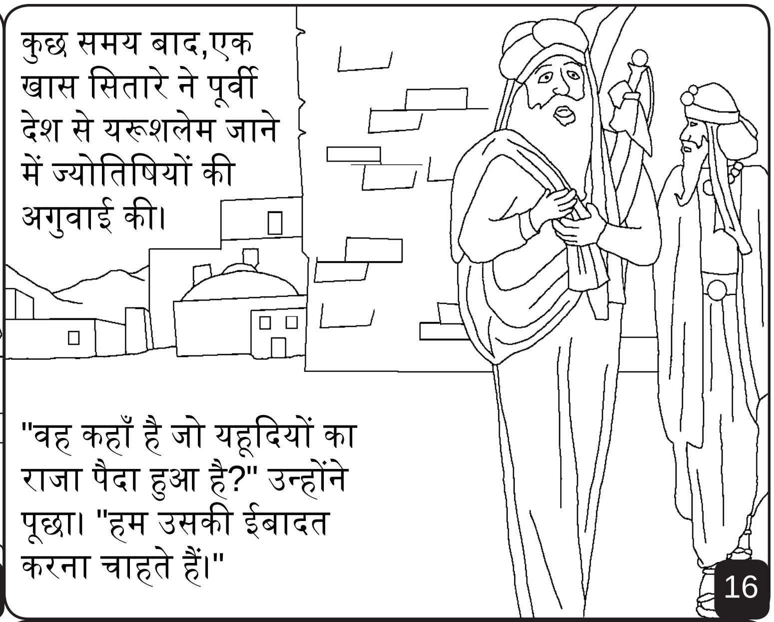
कुछ समय बाद,एक खास सितारे ने पूर्वी देश से यरूशलेम जाने में ज्योतिषियों की अगुवाई की।
"वह कहाँ है जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है?" उन्होंने पूछा। "हम उसकी ईबादत करना चाहते हैं।"
16

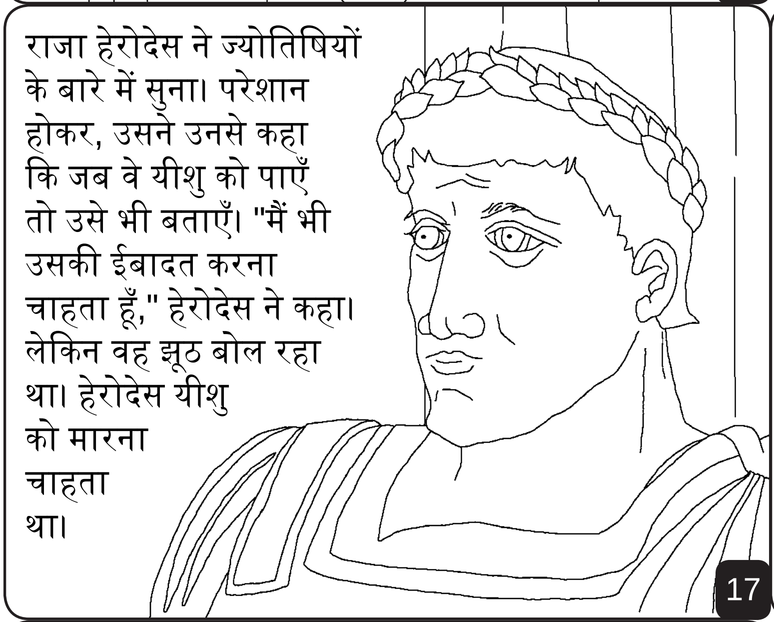
राजा हेरोदेस ने ज्योतिषियों के बारे में सुना। परेशान होकर, उसने उनसे कहा कि जब वे यीशु को पाएँ तो उसे भी बताएँ। "मैं भी उसकी ईबादत करना चाहता हूँ," हेरोदेस ने कहा। लेकिन वह झूठ बोल रहा था। हेरोदेस यीशु को मारना चाहता था।
17

सितारे ने ज्योतिषियों को बिलकुल उस घर तक पहुँचाया जहाँ मरियम और युसूफ छोटे बालक के साथ रहते थे । ईबादत में सजदा करते हुए, मुसाफिरों ने यीशु को सोने और इत्र के कीमती उपहार दिए।
18

खुदा ने ज्योतिषियों को गुप्त रूप से घर लौटने की चेतावनी दी। हेरोदेस बहुत गुस्से में था। यीशु को नाश करने के पक्के ईरादे के साथ, दुष्ट शासक ने बेथलहम में सभी नर बालकों को मरवा डाला।
19

लेकिन हेरोदेस खुदा के बेटे को नुकसान नहीं पहुँचा सका! एक सपने में चेतावनी पाकर, यूसुफ मरियम और यीशु को सुरक्षा के लिए मिस्र में ले गया।
20

जब हेरोदेस की
मौत हो गई तो यूसुफ
मरियम और यीशु को
मिस्र से वापस ले
आया।

वे गलील के समुद्र के पास,
नासरत के छोटे शहर में रहने लगे।

21

यीशु की पैदाइश

खुदा के कलाम, बाईबल में से कहानी

में मिलती है

मत्ती 1 - 2, लुका 1 - 2

“तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है।”
भजन संहिता 119:130

22

खत्म

36 60

23

बाईबल की यह कहानी हमें हमारे अनोखे खुदा के बारे में
बताती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि तुम उसे जानों।

खुदा जानता है कि हमने बुरे काम किए हैं, जिसे वह गुनाह कहता है। गुनाह
की सजा मौत है, लेकिन खुदा तुमसे बहुत मोहब्बत करता है, उसने अपने इकलौते
बेटे यीशु को भेजा, सलीब पर मरने और तुम्हारे गुनाहों की सजा के लिए। फिर
यीशु दोबारा ज़िंदा हो गया और अपने घर स्वर्ग वापस चला गया! यदि तुम यीशु
पर ईमान लाते हो और उसे तुम्हारे गुनाहों को माफ़ करने के लिए कहते हो,
तो वह ऐसा करेगा! वह अब आएगा और तुम में वास करेगा,
और तुम हमेशा उसके साथ रहोगे।

यदि तुम्हें लगता है कि यह सच्चाई है, तो खुदा से यह कहो: प्यारे यीशु,
मेरा ईमान है कि तु खुदा है, और मेरे गुनाहों के कारण मरने के लिए एक इंसान
बन गया, और अब तु फिर से जिन्दा है। कृपया मेरे जीवन में आ जा और मेरे
गुनाहों को माफ़ कर दे, ताकि मेरे पास अब नया जीवन हो और एक दिन
हमेशा के लिए तेरे पास आ जाऊँ। तेरी बात मानने और तेरे बच्चे के जैसे
तेरे लिए जीने में मेरी मदद कर। आमीन।

बाईबल पढ़ें और हर दिन खुदा के साथ बात करें! यहुन्ना 3:16

24